श्री शान्तिनाथ कीर्तन

रचियता : श्रमणाचार्य विमर्शसागर जी महाराज

जय हो, जय हो, जय हो, जय हो, जय हो, भगवन्-2
जय हो, जय हो, जय हो, जय हो, शान्ति भगवन्।
हम आये हैं-द्वार तुम्हारे-2,
दे दो प्रभु जी, हमको सहारे-2
शान्तिनाथ भगवन्-भगवन्-भगवन्ऽऽ
जय हो.....
छवि वीतरागी-प्यारी प्यारी लागे-2
दरश जो पाया-धन्य भाग जागे-2
चरणों करुँ नमन-नमन-नमनऽऽ
जय हो.....
सर्वज्ञ स्वामी-शरण में आया-2,
कहीं न मिला जो-वह सुख पाया-2
हर्षित हुए नयन-नयन-नयनऽऽ
जय हो.....
हित उपदेशी-आप कहाते-2
हम गुण गाने - भक्त बन जाते-2
छोड़ूँ न अब चरण-चरण-चरण
जय हो.....
अहार जी के-बाबा कहाते-2
यक्ष यक्षिणी भी-सिर को नवाते-2
झुकते हैं मुनिगण-मुनिगण-मुनिगणऽऽ
जय हो.....
दुखिया हो कोई-द्वार पे आये-2
हँसता हुआ ही-द्वार से जाये-2
श्रद्धा हो पावन-पावन-पावनऽऽ
जय हो, जय हो, जय हो।